TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. P_MSS_4350

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥अदत्त मलेयो रे मुनिवर महाव्रत॥ मां नाजइ जिन आण। आपि लीजइ रे मन वंछित जउ। अकाल्हि रे मम लेइस आ
ण॥१ त्रीजउं व्रत इम सस्धु पालीइ। टालीनइ सहु दोष। परधन हरतां पूरुष रूप नइ। पांमइ पातग अ रे रोष॥ बी०॥ अ
॥नागदत्त इम जि मनि नमनइ दृढ पणइ। न विलीइ परधन्न। उतम उत्तम नइ रे परतो षिपार इ। तस आदर धन धन्न॥३ ते
हनु मन नवि धसइ तुकोसान्न लुं उमेलडे अविचलरूद्धि। नगरी नामइ रे कहीइ वाणारसी॥ जेहनी जगि परसिद्धि
॥४ जितशत्रु नृप तिहां राजा न्याय धणी। तजा तणउ रषवालो दत्त दया परछइ व्यवहारीउ। लोणइ बालगो पाल॥ पत्रिया
धनश्री तस सुत गुणनिलउ। नागदत्त नांमि कुमार। नणु गुणु मो यौवन वय वरिउ। वार धिचाल ह्या पारि॥ ६
त्री०॥ धनमि लीनइ रे श्रेष्ठि नर पिघर तणी। वर्ल्यउ वेगइ रे जोम। वरहितं प्रवहण उतमइ जलि पसि उ। इचीरहि उते
णि गामि॥७ त्री०। करइ कोलाहल लोक मांहि रह्या॥ देषी दरिया पर षीर। सिवसुत नकाति प्रवहण पति भ्रात इ
ऊन रइ कोजइ समीर॥८ त्री०। ते पेलुजो सिलसो हामणो न्ना रे रूपं पंषी निराम। तिहां कोजाई किमां कहइ वित्त
गन इं। पसरइ पवन अगासि॥९ त्री०। उ एवाहण जल न्याली सरइ। मांडं मुक्कूमति साच। अवर न कोई
लाइ अगम इ। पोतांधिप कहइ वाच॥१० त्री०॥ जे जाइ ले पर उषजं जणो। आपउं सत दीनार। कुलवंत कु
अर साहस आगमी। बोलकरी निरधार॥११ त्री०। तर उरति हां तनतोषि णि गयो। मनि समरीन वकार। प
षपसारी पंषी रूप हावी आ। तव वर उजय कार॥१२ त्री०। ढाल॥ वाय विरो षइ चाली आंको। प्रवहण उ
रूतोरे गांमि। कुअर रहि उ तिहां एकलु हो। जल मां रूप पावि उरे तांम॥ त्रुटक॥ तांम रूप पावि उ पाणी मांहि
मछ तणइ मुषि पड़ी उ। वेलि वहुउ उदरि रहिं उ। को एक तटि जइ चड़ी उ। वस्त्र इ चांणी पी वइ पांणी॥ फ
ल ऊ नेम आस्वादइ। कोउ कजो उजन मनमो हउ। स्वउ रमा रगसा घइ॥ १४ पग वट पृथ्इ पाधरइ हो। कुअ 1
उ नी यउ रमाहि। प्रवहणपति पासइ मुद्रा हो। मागइ इव्यउ छांहि॥ त्रुण। मागइ इव्य उछाहि अनुदिन। दिउ दाना

उपड

रश्रग्लारा।वावानापी।सहू कोसाषी।पांसुभव रुणपारा॥५ नदत्त नापइ।उतरश्रापइ।उसतीजपइजेठउ
श्रसमंजस श्रणाभी ति॥उनोला।न विलवीइ श्रण दीवउ॥६ नागदत्त भागइ नहीं॥हा॥रहिउ वालीमेतोष
घीयमित्रसारथपतितणा॥हा॥इत्तीलइ निरदोष॥ध्रु.॥इत्तीलइ निरदोषनि रूपम।नागदत्त सुरागी।एह
वइतल वरवसुदेवइसो।जमधरीनइ मागी॥ तासन दीधी।सहू परमीधी।नागपतइ परणावी।नाम
वसु नारीसु नमरू रति।घमईपीऊधरिश्रावी॥ एहदेवदायदकनी पनइ हो।सुघ विलसइ मनमेलि।व
हरदीप जणमारिया॥हा॥करतीकोउककेलि॥ध्रु.॥करतो केलिगुणीजन विकसइ धर्मअर्थसुषमाधइ।सम
कितमूलदयाइसंयुत।श्रीजिनधर्मआराधइ॥७ पित्री पिसधरइ घणुं हो।छलजोइनि लेमेव।एहवइ की
मा कानन हो।जोईश्रा वहनरदेव॥८ ध्रु.।जोईश्रा वहनरदेवतिहारइं।कांमिनिक्रमलपडीश्रा।पंघवचइ
× दत्त रुठइ तवपाहिला।नागहगीपडीश्रा।श्ररतपीश्रातकिंनलेवइ।तेसाहमुनविजोवइ।ध्यानधरीश्रलगु
जईउपवानि।करीकाउसग्गिरहिवइ॥१० विरत्ना वमानि श्राणाउ हो।छलजोउ वसुदेव।छो नइं सुलेईकरी × पि
कोटर्ईहि विषधर वि॥ध्रु.॥ठईनइ दिषधरीनइ श्रठरतामहलइ नागसमीपइ।नलोतेहनूतनिसतीसहोन।जेमरोष
नइं जीवइ।निःस्कारण विषवाद ऊपाइ।तउ बडलसंसारी।नागदत्तमनिरीसनश्राणइ।रहिउमोनव्रतधा
री॥११ रायतणा जणजोपवा हो।दहदासीउ मइरेतांम।नृपकिंकरितवझालीउ हो।झालिमाहितिश्राविरांम।।झा
लिमाहिनरायश्रागलिमेहलइ पपीपुन्नणाइसूप।चोरविमेंबनवावरिफेरी।काटउपातकरूप।सूलीरो
पणानहींइहहुषण।एहनइ एहजिदंड।श्राजपर्पीकोश्रवरश्रनेक।चोरीनकरइलेन॥१२ अरारूढव
धकूमिकाहो।श्रोणिउसूलीरेगाय।उपसमसागरिजीलताहो।कीधउदेवसहाय॥ध्रु.॥देवसहायकी
धौश्रावी।नागदत्तयसबोलइ।परधननलीइश्रपतिनजंपइ।त्रिभोवनिनहीएहतोलइ।सूलीवांमसिंहा १

उ नइंश्रवलासुघवाकरुं।वचनथीकांधिरवमनतोजी॥ध्रु.॥ [illegible] विषमुनिपार [illegible] मर।घेमामगरक्रमकरुणा
कांचितपसंयमगतइ।नियमवोल्यासुणु नरपतिपहमुनयनलीइ।घिर [illegible] आपइनादेकथापइउमयसाजाकीजइ।।
वकावतसकलाजीउ।राजीउकहिंवइ प्रमाणजी॥कुमरपरीहितसुपहवउ।वारत्रलेवइसुजाणाजी॥ध्रु.॥सुजांणसुनपरिस
यमपालइ।पापटालइतपवलइ।वावीसपरीसीह सहइ उससहु।मेरुपरिमननविचलइ।विसुततवमनिविचारइस्नान
वारइकायती।इकांदोषकेहायपवित्रदेहापापनविलागइरती॥ वाकवनइकलिजपना।रहीइश्रथेलसरीरोजी।जनम
वमनइंदोषीइ।पवित्रनकीविणनरीजी॥ध्रु.॥नीरविणकिमसुधथईइ।एमदईइचितउ।लपमुनिनिवारइकाइकारइव्रत
धरीसुगधडगंठउ।जिमीलस्पाना।सुकध्यानीतेहनिर्मलजांणीइ।सदाजलिचोषाईतुहइनाइइहांसणनश्राणीइ।
इ।श्रायुहरीदोपतिहाथकी।पाम्यासुरपदसारजी।श्रमरतणासुषलोगवइ।विरूमनिसीतिश्रपारजी॥ध्रु.॥श्र
पारश्रमहरइहइनेला।विलाजानमनेतेलहइ।दोएमित्रश्रालोचकरता।एकरव्रतइंकदइ।लवलहइपदिलुं।श्रावि
वदिकुलाईतसुध।प्रतिबोधजो।उनेदमाचा।दीउवाचा।एहवयणमनोपजे॥ढाल॥कुमिरतोकोषवहिरउपढाल
परोहितजीवश्यमचवी।राजइदउरपामइरे।कांइंपामइनइश्रंतिजवामइश्रवतरीउ॥८ मातणीमानिहरष
कुमारत्त मिउ।सोएगारत्तवधारइरे।वधीरइनइश्रष्टयरसगणुए॥ एगश्रवतीव्यवहारणी।तसुदोहदनावइरे।तावइनइ।
श्रणपावइंभाइइवलीए॥१० वाहिरिवामीइइठाउ।उसमनइछानासरसपीलाडुनइरा [illegible] वानीम्याघकइए॥११
वाछानावपकासीउ।सीइस्मानस्मीश्रालीरे।दीइमातणीश्राणरि।मषाश्रांणानइमवाणीदरपितहुईए॥१२नीचउ
चइमषीतही।कमिदिनरजाइरे।मषीजाइनइथाइमतितीडषघणुए॥१३ वलीइइवामालणी।वाईउलनइसी
विनारे।विनानइमहितावारीनविमकइए॥१४ वालगणिभियानतिसुणिमुषु।कांइउन्यनकीवारे।कीधांनइदीध
दाननेनावस्तुए॥१५ कइकोकपिसनापीश्रा।मायवालविठोधारे।विठोश्रानइदोत्यालोलनइश्रतिघणाहए २

सनवखीउ।वइरउ बहु महाणि।निसुणी नरपति मनि बीहतउ अति।उकउ तेणइ गांणे॥२२ निज अपराध षमावीउ रो।सु
र बोलइ आकामि।धनरथ अगिला नवी हो।पहुतनइ कउसा वासि॥ध्रु०॥ पहुतनइ कउसा वासि विशेषइ एमो हत्रम
को नाग।त्रीजउं व्रत पालकउ रनिश्चल।लहिसइ नवतु नाग।सुदीनार अपाव्या पहिला।धरिउ अचेवीउ रंग
इ।सपतषेत्रि वित वेची विवेकइ।चारित्र लइ मुनि संगइ॥२३ तप जपि कर्म षपावतइ हो।पामु केवलज्ञान नानवि
कजीव बहू हूऊ व्याहो।सिद्धतणुं धरी ध्यान॥ध्रु०॥ सिद्धतणउं धरी ध्यान ऋषीसर।पाम्या पद महानंद।इणी परि
जिजन अदत्तु नालिवइ॥ तहनइ परमाणंद॥२४ परप्राणीन विहरहवीइहो।अजीअम जेपरे वाच।अदत्त अव्रत
नमेवीइहो।सोनउं समगिणि काच॥ध्रु०॥ सोनु समगिणि काच जपावत।रयणी भोजन नालउ।पंच महाव्रत पं
चारइ।अन्यव्रत मुनि पालु।नागदत्त परिजिन नरनारी।अदत्त कारइ परिहार।श्री सुमतिरत्न पंडितवर विनई।गु
णगाइ वारवोर॥२५ इति अदत्तोपरि नागदत्तस्वाध्याय संपूर्णः॥ ख॥ श्री नवउ॥ कल्याणनस्यात्॥
ममरसपूरण गुणेन स्वाजितस्यानवोदधिपारजी॥ नेवुनिवरने रूपापनखु मेतारय अंगारजी॥१ ढूंक॥ अणगार जेह सुमाधु
रूआ।तेहना गुण बोलसुं आतिम दमम करू मनुजन तेहनु फल छइ असिउं।नीच कुलि अवतार पामइ सुत्र बोमइ पाठि
लेउ।आवमदइम अधम कहीइ।एहथी नविकइ सलु॥२ पहिलुं पुरोहित तनूप सुतो।मिथ्याती उनमनोजी।जिनमत घणउं
अवहीलना।धरमनुं न लहइं तलोजी॥ध्रु०॥ धरमनु तव न जाणता दोए।साधुनी निंदा करइ।वयराज धननइ मदइं मताक
णइ वाख्यान विवरइ।एणइ समइ सहियु रूव्याहार करतो।ऊजेणी विनि आवीआ।उत स्यावसतइ सुमति गुपतइ ध्यान
पडिमाइ वांआ॥२ मागर वंद मुनीसरो।पामीय रूनु आदेसोजी।नाई नत्रं जनइं बोधिवा।कोधु नगरि प्रवेसोजी॥ध्रु०॥ विस
मुनिवर तणु देषी।कंअर परोहित तसुत जाणइ।ऋषिराज आवउ रमति कामइ।अरू मंदिर आगणइ।उलेठ वचने बोलता
वीलता बहु निग्रंथ।ब्रलिपायनाग।वस्त्र वागा विणरकू कणपंथ॥२ क्रूर वचन ऋषि कोपी आति की आताम श्रचितोजी 2

॥१६ पामा त्रुषइं मारीआ।पसु पांजरि पोस्यांरे।पोस्यानइ सोम्या दत्तरूआ वालीए॥१ तेणइ पापइ बालक वाई महीआ।वइनइ जा
रे।जाइ नइ थाइं चलाते णइं महीए॥१७ मोकालहउ लेमम डपथक।सुत माहरू दे अमिरे।सपी दे अमिनइ ले अमि वउल चउरू
वलीए॥१८ भवभ्रमणइ कीउ पाजटउ।लही जनम संघात नइ रे।संघातइ नइ रानइं आणीनइ दीउए॥२० भवइ बहु उछव कीआ
सुत नाम ते थापइरे।थापइ नइ आपइ धन याचक घइ एरूए॥२१ मेतारय मोटउ हुउ।जाणे मनन मथ रूपीरे।रूपी नइ दापी देहकल
महीए॥२२ वीवाह व्यवहारी सुता।मेलु आ कसंघातइंरे।संघातइंनइ सरातइ देवसो आवीउए॥२३ सुणि हो बंधव सुकरइ।को
मनइ बइं मायारे।मायानइ काया कामिनि कारिमीए॥२४ वउरपणइ चिंतसु चेउ।लीउ चारित्र नाईरा।नाईनइ जेहथी शिव
सुख पाईइए॥२५ परिरकरि तेमी बवइ।मनि किंपिन आणइरे।आणइनइ जाणइ आसुख किमति जइए॥२६ सुर चिंतइ सुख
मांपसु।मुऊ बोलन मानइरे।मानइ नइ बानइ तेणइ आसुखी कीउए॥२७ ढाल॥ वरघोडइ परणीवा चढीउ।नव साईमो वाग
रे।प्रियाप्रतइं कहइ इस जीउ जीवत।परणावत लहीलागरे॥२८ सुणि रे मांणी हइं नइ जाणी जातिनु गर्व न कीजइरे।हरिके
सी मेतारय नापरि।नीच कुलइ जनम लीजइरे॥आंकणी॥ देवइं ऊपाया अतिज आया मारग प अविचालइरे।इनकहीम
इसुं आलिंगी।मांय तेनी यसुत कालइरे॥२९ सुण॥ आणीनीय घर मांहि बइसारिउ।जिम सुर नारक बांमरे।कंअर आपणा
कर्मनइ निंदइ।मेकइ स्मुधिनी मांसरे॥३० सुण॥ एतलइ मित्र अमर तिहां आवु।बंधव कहीनइ बोलाइरे।बउसु पी आहवइं
मुऊ कहि मांनु।संयम लुअम निज बइरे॥३१ सुण॥ वलजेव चन वइरलव बाली।तइं टालु मिथ्यात रे।जीवपसु सुसमाहि को
इ।धर्मनी नलहइ वात रे॥३२ सुण॥ जेकुसुरिजन जे परउपगारी।जे आलागु सरीजरे।उन्ह सम कवण महो दर कहीइ।तइं मारिउं
मुऊ कांजरे॥३३ सुण॥ बार वरस पाए लागु।लागुं एक वचननरे।इरवपरि सु षमर्व पमाहइ।उमाखु सुरिजनरे॥३४ सुण॥ कोम
लव चनि रूपात कमांणी।जांणी बोलइ दावेरे।वागे दईदेव कहि वइए हवउ।मो न्ललि पहलु सन्नावेरे॥३५ सुण॥ विरकसम
इ मारत ननीपजमइ।तेजे रिायनइ देयेरे।श्रेणिक प्रमनयइं जवशडइ।तवएऊतर कहि येरे॥३६ सुण॥ उ लख्नी अलसुन 3

निदोन्ह।वीवाहउछवकीजइरे।मोसुरमीपहईश्रामोहि धारी।रयणेबालम्मीजइरे।४६सुण॥मोन नातन्हपश्यागईसंकहं।मुगधाविपनव
नाघइरे।मागिमानगडंमनईछाइ।सें कोहिउ ठोनुनरा घरे।४७सुण॥सुणी वचनन्हपतिश्रति पीसु।वारइश्रनयकमारे।वउरम
लाइचूंफालघनइतव।वयणपयपइउदारे।४८सुण॥ऊफसुतनइ मुफ घहिनिद वाक।श्रत्त कोहि उसीघकरीजइरे।विनारगि
रि चढीइजिनवेदनि।कारुपाजिकामदीजइरे।४९सुण॥घिणमानीपाईघनरपि श्राई।जपइहरवयो लरे।श्रनयनणइलज
कोटनीपाउ।वेबारजतश्रनोलरे॥४०सुण।राजगृहडरहवइसोपणि।ननाघिणितेपणिकीनुरे।वीज्जुश्रादेमभायरवजिना
क।मेतारयप्रतिदीनुरे॥४१सुण॥जेजे काम कविणनबुदी।भा।दवप्रलावइकीधारे।रायतणीबेटीनितपरणी।मनकोमित
सङसीभरे॥४२सुण॥सेविइश्राश्रावइहरवली।करमेला पसुरगइरे।लपदीश्राश्रावासश्रनोपम।तिहारहिवरसुघमगइरे
॥४३सुण॥ढाल॥ बारवरससुषविलसतो।विउल्यामनईछाइरे।मित्रदेवश्राबीकहइ।लुसयमउछाहिरे॥४४नीयघरत्ना
रसुतनसुपी।मेतलीइचारित्ररे।सुद्धक्रियाघपमाधवा।ऋउफ्पविग्ररे॥४५कंकमश्रादइकरी।मासषमणपालीकर
वुरे।तपइकरीतनमोसउ।गामनगारिविहिरउरे॥४६श्राहारतणाश्रर थइसोई।राजगृहउरिनावइरे।सुवर्णकारमंदिरमो
ति।वहिरणिमुनिवरश्रावइरे॥४७जवमोविनमानीघमया।राजाश्रेणिककोजइरे।कनालगडुकामइमाहि।गरूलालनि
राजइरे॥४८मोमलहाकोचिमाया।सोनामाधनइदेथारे।माहाकूकहइ जवतइलीश्रा।उष्टधमतुदपारे॥४९श्रादश्रजिनश्र
नागारनइ।मस्तकिवीटइसूटइ।घरमाहलिवाटकमाहि।नावहिनाघइगृदरे॥५०चर्मसंकोइश्रातपइ।त्रुटकरवलीफा
टइरे।मुनिउपसमरसमोफीलइ।कर्मगांठितवकाटइरे॥५१लहाकवलमुगतइगया।धिनरश्रनगाररे।करजोडीकर
वरना।कहिपशुणनलघुपाररे॥५०मोनीमनिमंकितहवउ।रायतणउडरश्राणीरे।कहटवसाहतसंयमलेई।जापनपा
पायकृजाणीरे॥५२श्राजोईपानकधोई।स्वछेतणासुपलहइवरे।कलमदजातिमकोकरू।श्रासमतिरतनबुधकहिवरे
॥५३इतिश्रीमेतारयरूषिसिभायसंपूर्णं॥ श्रानवद्यः॥ ... श्रायुश्रपतेगुरुपामइ।मोगइफ्त्रा ३८
देरा।कोमिस्टहजाउत्रमामइ।लहस्वरिश्राएसावोमिश्रावुधप्र ... धपदाव ... मनिहरपवर्धनरि 3